आबू रोड-शान्तिवन(राज.)। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मीडिया प्रभाग द्वारा संस्थान के मुख्यालय में आयोजित राष्ट्रीय मीडिया कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र के दौरान ब्रह्माकुमारीज संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी दीदी को ग्लोबल स्पिरिचुअल लीडरशिप अवॉर्ड से सम्मानित करते हुए राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े व इंटरनेशनल बुक ऑफ ऑनर इंग्लैंड के उपाध्यक्ष डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके। साथ हैं ब्रह्माकुमारीज संस्थान के महासचिव राजयोगी ब्र.कु. करुणा तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति।

जालंधर-पंजाब। जालंधर के ओलंपियन सुरजीत हॉकी स्टेडियम में पंजाब के माननीय मुख्यमंत्री भगवंत मान से मुलाकात करने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. लक्ष्मी। मौके पर उपस्थित कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत,पंजाब सरकार, आम आदमी पार्टी जालंधर सेंट्रल इंचार्ज नितिन कोहली, राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. सिमरन, सीए ब्र.कु. नेहा, बिजनेसमैन ब्र.कु. रश्मि, बिजनेसमैन ब्र.कु. सागर तथा अन्य।

दिल्ली-डेरावल नगर। विजयादशमी के अवसर पर श्री मानव धर्म रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सांसद मनोज तिवारी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. लता एवं ब्र.कु. प्रीत।

स्वयं परमात्मा शिव ने विश्व परिवर्तन का कार्य ब्रह्मा बाबा को सौंपा...

संसार में समय-समय पर ऐसे अनेक महात्माएं होकर गए हैं जिनके त्याग, तपस्या, और प्रभु मिलन की लगन की कहानियों से सारा जग वाकिफ है। अब सभी के मन में एक प्रश्न आता है कि परमात्मा ने ब्रह्माबाबा को ही क्यों चुना? और इसी तरह ये भी समय है कि जब इस समय में भी कोई न कोई महान आत्मा का जन्म होना ही चाहिए। क्योंकि वैसे अगर देखा जाए तो भगवान किसी का भी तन चुनते, इस संसार में किसी का भी तन चुनते तो प्रश्न तो उठना ही था कि भगवान ने इसी व्यक्ति का तन क्यों चुना? लेकिन हम सभी जानते हैं कि चाहे जीजस क्राइस्ट आये, महात्मा बुद्ध आये, ऐसी कई महान आत्माएं आये जिनके द्वारा परमात्मा ने समय प्रति समय कोई न कोई दिव्य कार्य कराया। तब उनके लिए तो ये प्रश्न नहीं उठा?

इस समय में परमात्म को मालूम है उसको कहा ही जाता है जानी-जाननहार, सबकुछ जानते हैं। तो हर व्यक्ति की मनोस्थिति को, उसकी आत्मा की प्युरिटी को वो जानता है। और इस संसार में कौन ऐसी पात्र आत्मा है जो परमात्म कार्य करने के लिए उत्तम हो, उसे पता है। इसलिए ये तो आज ऐसा हो गया दुनिया के अन्दर कि जैसे मनुष्य हर चीज़ को मॉनिटर करना चाहता है तो परमात्मा के कार्य के लिए भी जैसे मॉनिटर करना चाहता है। वास्तव में भगवान को पता है कि उसको किस तन की आवश्यकता है और किस तरह से इस संसार में अधर्म का विनाश और सत् धर्म की पुनः स्थापना करानी है। और उसके लिए पिताश्री जी का तन उचित इसीलिए समझा उन्होंने क्योंकि गृहस्थ धर्म में थे। दूसरा एक बिज़नेसमैन थे, जौहरी थे।

राजयोगिनी ब्र.कु. ऊषा दीदी, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका

कोई भी श्रेष्ठ परिवर्तन के कार्य को सम्पन्न करने के लिए मुख्यतः हिम्मत, साहस और अनुभव की आवश्यकता होती है। परमात्मा ने देखा कि इस समय संसार की हालत बिल्कुल ही जड़-जड़ीभूत हो गई है ऐसे में नयी सतयुगी दुनिया बनाने के लिए योग्य व्यक्ति को चुना। जिनमें ये सारी योग्यताएं एंव कलाएं थी। जिनका नाम रखा प्रजापिता ब्रह्मा। परमात्मा का सिलेक्शन तो सर्वश्रेष्ठ ही होगा ना!

हीरे जवाहरात का बिज़नेस करते थे। तो बिज़नेस के कारण भी उनको अनुभव ज़्यादा था। गृहस्थ धर्म में होने के कारण गृहस्थ जीवन की क्या प्रॉब्लम्स होती हैं उसका भी अनुभव था। तो ये सारा अनुभव होने के कारण वो शायद संसार को अच्छी दिशा दे सकते थे, अपने अनुभव के माध्यम से।

दूसरा कि एक जौहरी के पास अथाह धन था। वैसे परमात्मा ने अनेक गुरुओं के माध्यम से भी कार्य कराया। कई लोगों ने अपने-अपने तन-मन से पूरी समर्पण भावना के साथ, त्याग-तपस्या के साथ कार्य किया। लेकिन ये जो कार्य था कि जब उस समय माताएं-बहनें जैसे मर्यादा में रहती थीं, उन्हें जैसे घर से बाहर जाने की इजाजत नहीं होती थी। ऐसे समय पर परमात्मा ने इस संसार में अवतरण किया। और उस समय परमात्मा ने यही एक विशेष कार्य, या ज्ञान का कलष माताओं-बहनों के सिर पर रखा। यही एक संकल्पना थी ब्रह्मा बाबा की भी कि अगर माताएं-बहनें आगे आयेंगी तो शायद समाज का उद्धार हो सकता है। क्यों? क्योंकि एक माँ के अन्दर ही संस्कार देने की कला होती है, जो और किसी के अन्दर नहीं होती। और इसीलिए परमात्मा ने भी यही समझा कि ब्रह्मा बाबा की भी एक विज़न थी कि ये आध्यात्मिक संस्कार देने का कार्य भी जितना सकुशल माताएं-बहनें कर सकेंगी उतना शायद कोई न कर सकेगा। इसीलिए उन्होंने माताओं-बहनों को आगे किया। और वन्दे-मातरम कहकर ये ज्ञान का कलष दिया समाज के अन्दर। अनेकों को ये आध्यात्मिक संस्कार सींचने का कार्य सौंपा। साथ ही साथ उस समय क्योंकि पिताश्री ब्रह्मा बाबा के माध्यम से परमात्मा ने एक नया मंत्र दिया कि सत् धर्म की स्थापना करने के लिए एक प्युरिफिकेशन बहुत ज़रूरी है। तो पवित्र बनने का एक मंत्र दिया कि योगी बनो और पवित्र बनो।

मेरठ-उ.प्र.। पुलिस उप महानिरीक्षक व पुलिस महानिरीक्षक कलानिधि नैथानी,मेरठ रेंज व उनकी धर्मपत्नी दीप्ति चंदोला,आईआरएस से उनके कार्यालय में स्नेह मुलाकात कर ज्ञान चर्चा के पश्चात् उन्हें ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. लक्ष्मी दीदी, ब्र.कु. आरती एवं ब्र.कु. ब्रजेश।

फर्रुखाबाद-सराय अगहत(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेन्द्र के वार्षिकोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. मंजू, ब्र.कु. गिरिजा, श्री श्री 1008 स्वामी सुरेशानंद ब्रह्मचारी,नैमीशारण्य धाम, श्री श्री त्यागी जी महाराज,महन्त नैमिकारी धाम, ब्र.कु. शिवराम, ब्र.कु. धर्मेंद्र तथा अन्य।

चांदपुर-उ.प्र.। दीपावली के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज सेवाकेन्द्र पर आयोजित कार्यक्रम में सभी पत्रकार भाइयों को ओमशान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करने के पश्चात् समूह चित्र में साथ हैं ब्र.कु. साधना व ब्रह्माकुमार भाई।

नई दिल्ली-हरि नगर। डीजी एनसीसी मुख्यालय के प्रताप ऑडिटोरियम एनसीसी परेड ग्राउंड में 'मानसिक स्वास्थ्य एवं तनाव प्रबंधन' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में ब्र.कु. अदिति, एयर वाइस मार्शल नटराजन, एडीजी एनसीसी 'बी', सेवानिवृत्त कर्नल बीसी सती तथा अन्य की उपस्थिति रही।

शाहजहाँपुर-उ.प्र.। ज्ञान चर्चा करने के पश्चात् समूह चित्र में लखनऊ विधानसभा समीक्षा अधिकारी वैभव सिंह यादव, लखनऊ सचिवालय समीक्षा अधिकारी मिथिलेश यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह यादव, ब्र.कु. चरिता तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें।

चुनार-मिर्ज़ापुर(उ.प्र.)। नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित 'आध्यात्मिक स्नेह-मिलन एवं पत्रकार सम्मान समारोह' में सम्बोधित करते हुए संस्था के क्षेत्रीय प्रबन्धक राजयोगी ब्र.कु. दीपेन्द्र। मौके पर उपस्थित रहे स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. बीनू, प्रो. सुनीता त्रिपाठी, सीमा सुरक्षा बल की ओर से ऑपरेशन सिंदूर में शामिल पल्लवी श्रीवास्तव, प्रो. गागेन्द्र कुमार सिंह,निदेशक,पत्रकारिता संस्थान एवं जन सम्पर्क अधिकारी महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ,वाराणसी, वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी कैलाशपति त्रिपाठी, राजदीप महाविद्यालय,कैलहट,चुनार के प्रबंधक इंजीनियर राजबहादुर सिंह एवं मेजर कृपा शंकर सिंह।

उदयपुर-गोगुंदा(राज.)। गणपति उत्सव पर आर्ची गैलेक्सी सोसाइटी,देबारी में आयोजित कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़ को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रश्मि एवं ब्र.कु. कल्पना। साथ हैं देबारी के उप सरपंच दुल्हेसिंह जी देवड़ा।